ईद | दिखी एकता की मिसाल, गले मिलकर दी मुबारकबाद, राज्यमंत्री जायसवाल ने दीं शुभकामनाएं, कहा– ईद सामाजिक सद्भाव का प्रतीक

भाईचारे और सौहार्द के साथ मनाई ईद, अमन-चैन की मांगी दुआ

अनूपपुर, नवभारत 21 मार्च। जिले में ईद-उल-फितर का त्योहार पूरे उत्साह, भाईचारे और सामाजिक सौहार्द के साथ शांतिपूर्ण ढंग से मनाया गया। एक महीने तक चले पवित्र रमजान के समापन पर शनिवार को मुस्लिम समुदाय के लोगों ने जिले भर की मस्जिदों और ईदगाहों में नमाज अदा कर देश-दुनिया में अमन-चैन, खुशहाली और तरक्की की दुआ मांगी। जिला मुख्यालय सहित कोतमा, जैतहरी, राजेन्द्रग्राम, बिजुरी, राजनगर, चचाई, रामनगर और भालूमाड़ा समेत विभिन्न क्षेत्रों में बड़ी संख्या में मुस्लिम धर्मावलंबी ईदगाहों में एकत्र हुए। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी और आपसी प्रेम का संदेश दिया। इस अवसर पर प्रदेश के कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिलीप जायसवाल ने जिले एवं प्रदेशवासियों को ईद की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ईद केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि यह प्रेम, त्याग, भाईचारे और सामाजिक सद्भाव का प्रतीक है, जो समाज को जोड़ने का कार्य करता है।

27 मस्जिदों और ईदगाहों में नमाज अदा की गई

ईद के मौके पर जिला प्रशासन और पुलिस विभाग पूरी तरह मुस्तैद रहा। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगनाथ मरकाम ने बताया कि जिलेभर में 27 मस्जिदों और ईदगाहों में नमाज अदा की गई। सभी थाना क्षेत्रों में विशेष प्वाइंट बनाकर निगरानी रखी गई, जिससे पूरा पर्व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। जिला मुख्यालय अनूपपुर में सुबह 9 बजे ईदगाह में हाफिज मोहम्मद सलमान द्वारा नमाज अदा कराई गई।

मीठी ईद का खास महत्व

ईद-उल-फितर को मीठी ईद भी कहा जाता है, जो शव्वाल महीने के चांद के दिखने पर मनाई जाती है। यह त्यौहार रमजान के रोजों की समाप्ति का प्रतीक है। इस दिन घरों में सेवइयां, खीर और विभिन्न पकवान बनाए जाते हैं तथा लोग एक-दूसरे के घर जाकर शुभकामनाएं देते हैं।

अमलाई ईदगाह में अकीदत के साथ अदा हुई ईद की नमाज

अमलाई की सुन्नी हनफिया अब्बासीया मस्जिद परिसर में ईद उल फित्र की नमाज पूरे अकीदत और धार्मिक उत्साह के साथ अदा की गई। पवित्र रमजान माह में एक महीने तक रोज़ा, इबादत, तरावीह और नेकियों में बिताए गए दिनों के बाद जैसे ही ईद की सुबह हुई, पूरे क्षेत्र में खुशी और रौनक का माहौल छा गया। मस्जिद परिसर में सुबह से ही नमाजियों की भीड़ उमड़ पड़ी और करीब 500 से 700 लोगों ने एक साथ नमाज अदा कर अल्लाह से अमन, खुशहाली और बरकत की दुआ मांगी।

मस्जिद के बाहर देर तक लगा रहा लोगों का जमावड़ा

रमजान के महीने में इबादत, कुरान की तिलावत और जरूरतमंदों की मदद के बाद ईद का यह त्योहार खुशियों और शुक्राने का प्रतीक बनकर आया। लोगों ने सादगी और आपसी सौहार्द के साथ इसे मनाते हुए समाज में एकता और भाईचारे का संदेश दिया। मस्जिद के बाहर भी देर तक लोगों का जमावड़ा लगा रहा, जहां मुबारकबाद देने का सिलसिला जारी रहा।

भाईचारे और अपनत्व का देखने मिला नजारा

नमाज के बाद का नजारा भाईचारे और अपनत्व से भरा नजर आया, जब लोगों ने एक-दूसरे से गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी। हर वर्ग के लोगों ने आपसी भेदभाव भुलाकर प्रेम, एकता और इंसानियत का संदेश दिया। इस दौरान देश में शांति, तरक्की और सौहार्द बना रहे, इसके लिए भी दुआएं की गईं। बच्चों में खासा उत्साह देखने को मिला, जो नए कपड़ों में ईद की खुशियां मनाते नजर आए, वहीं बुजुर्गों ने अपने आशीर्वाद और अनुभवों से माहौल को और भी खास बना दिया।

हाफिज और मोअजिन का किया सम्मान

ईद के इस मौके पर मस्जिद के हाफिज और मोअजिन का फूलों की माला पहनाकर उनका सम्मान किया गया और सभी ने उन्हें मुबारकबाद दी। इससे पूरा वातावरण और भी भावुक और खुशनुमा हो गया तथा लोगों ने अपने धर्मगुरुओं के प्रति सम्मान व्यक्त किया।

इनकी रही उपस्थिति

इस अवसर पर अंजुमन के सदर एडवोकेट रब्बानी, पूर्व सदर अलाउद्दीन अंसारी, मुमताज अंसारी, इदरीश, रहीश सिद्दीकी, सिकंदर खान, नईम अंसारी, अंसार अंसारी, सैफ रिज़वी, मुस्ताक अहमद, सरताज अंसारी, राज सिद्दीकी, मुर्तुजा अंसारी, सद्दाम अंसारी, असलम आजाद, शमसुल, रिंकू, कासिम, आजाद, सनी, असलम, आसिफ,पन्ने, आदिल, आतिफ, हुसैन सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

कोतमा में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई ईद

कोतमा नगर सहित आसपास के क्षेत्रों में इस्लाम धर्म का प्रमुख त्यौहार ईद-उल-फितर बड़े ही धूमधाम और अकीदत के साथ मनाया गया। पवित्र माह रमजान के समापन पर शनिवार को सुबह से ही मुस्लिम समुदाय के लोगों में भारी उत्साह देखा गया। नए वस्त्रों में सजे-धजे नमाजी सुबह से ही नगर की विभिन्न मस्जिदों और ईदगाहों की ओर रवाना हुए, जहां खुदा की इबादत में सिर झुकाकर देश और नगर की तरक्की व अमन-चैन की दुआ मांगी गई।

प्रमुख स्थलों पर हुई नमाज अदा

कोतमा थाना क्षेत्र के अंतर्गत लहसुई ईदगाह, पैरीचुआ ईदगाह, इस्लामगंज मस्जिद, निगवानी मस्जिद, बनियाटोला, बाजार मस्जिद और श्रमिक नगर मस्जिद में सुबह की विशेष नमाज अदा की गई। नमाज के तुरंत बाद सभी ने एक-दूसरे को गले लगाकर 'ईद मुबारक' कहा।

सांप्रदायिक सौहार्द की अनूठी मिसाल देखने मिली

ईदगाह स्थल पर सांप्रदायिक सौहार्द की अनूठी मिसाल देखने को मिली, जहां समाज के हर वर्ग के लोग बधाई देने पहुंचे। इस अवसर पर एसडीएम, तहसीलदार, थाना प्रभारी कोतमा, मुख्य नगरपालिका अधिकारी, राजस्व अधिकारी नपा, पूर्व विधायक मनोज अग्रवाल, नगरपालिका अध्यक्ष अजय सराफ, कांग्रेस जिलाध्यक्ष गुड्डू चौहान सहित सैकड़ों की संख्या में राजनीतिक एवं सामाजिक लोग मौजूद रहे।

मेले जैसा रहा माहौल, बच्चों में दिखा खासा उत्साह

ईदगाह के बाहर मेले जैसा नजारा रहा। जगह-जगह सजी खिलौनों और मिठाइयों की दुकानों पर बच्चों की भारी भीड़ रही। युवाओं और बुजुर्गों ने भी एक-दूसरे को गले लगाकर मुबारकबाद दी, जिससे पूरा वातावरण उत्सव के रंग में सराबोर हो गया।

एक नजर में

रामघाट में की साफ-सफाई, दिया जलसंरक्षण का संदेश

अनूपपुर, नवभारत 21 मार्च। जिले की पवित्र नगरी अमरकंटक में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया गया। वार्ड क्रमांक 10 स्थित दक्षिण तट रामघाट में जनप्रतिनिधियों, शासकीय सेवकों एवं नागरिकों ने मिलकर साफ-सफाई करते हुए जल संरक्षण का संदेश दिया। अभियान के दौरान घाट क्षेत्र में जमा कचरे को हटाया गया तथा जल स्रोत को स्वच्छ बनाने के लिए विशेष प्रयास किए गए। नगर परिषद अमरकंटक के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, मुख्य नगर पालिका अधिकारी, पार्षदगण सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों की सहभागिता रही। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने श्रमदान कर स्वच्छता के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाई और आसपास के वातावरण को साफ-सुथरा रखने का संकल्प लिया। इस अवसर पर नागरिकों को जल स्रोतों के संरक्षण, नियमित साफ-सफाई और गंदगी नहीं फैलाने के प्रति जागरूक किया गया।

संगीतमय श्रीराम कथा शुरू, श्रद्धालुओं में भारी उत्साह

अनूपपुर, नवभारत। जिले के ग्राम ताराडांड़ में 21 से 27 मार्च तक भव्य एवं दिव्य संगीतमय श्रीराम कथा का शनिवार को शुभारंभ हुआ। यह पावन आयोजन राजकिशोर तिवारी के निवास पर सद्गुरु भगवान कामतानाथ पीठाधीश्वर चित्रकूट धाम, कथा व्यास जगदगुरु रामानन्दाचार्य स्वामी रामस्वरूप दास महाराज के सान्निध्य में संपन्न होगा। कार्यक्रम का शुभारंभ 21 मार्च शनिवार को भव्य कलश यात्रा के साथ किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। 22 मार्च रविवार को श्रीराम कथा महात्म्य का वाचन किया जाएगा। 23 मार्च सोमवार को भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव एवं राम-जानकी विवाह प्रसंग का उल्लासपूर्ण आयोजन होगा। 24 मार्च मंगलवार को राम वनगमन एवं भारत मिलाप जैसे भावनात्मक प्रसंगों का वर्णन किया जाएगा, जो त्याग, प्रेम और कर्तव्य की प्रेरणा देंगे। 25 मार्च, बुधवार को श्रीराम राज्याभिषेक का आयोजन किया जाएगा, जो आदर्श शासन और धर्म की स्थापना का प्रतीक है।

बालिकाओं ने उत्साह के साथ कराया एचपीवी टीकाकरण

अनूपपुर, नवभारत। सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के उद्देश्य से देशभर में चल रहे एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) टीकाकरण कार्यक्रम के अंतर्गत अनूपपुर जिले के पुष्पराजगढ़ विकासखंड की ग्राम पंचायत खमरौध में बालिकाओं ने उत्साहपूर्वक टीकाकरण कराया। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र खमरौध में आयोजित इस अभियान के दौरान लक्षित आयु वर्ग की बालिकाओं ने बड़ी संख्या में भाग लेकर टीका लगवाया। टीकाकरण की मॉनिटरिंग के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी विनोद परस्ते एवं प्रमुख खंड चिकित्सा अधिकारी पुष्पराजगढ़ डॉ. आर. के. वर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे। अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर बालिकाओं का उत्साहवर्धन किया तथा उन्हें एचपीवी टीकाकरण के महत्व के बारे में जागरूक किया।

अंधी हत्या का पुलिस ने किया खुलासा

बेटे ने गला दबाकर की थी मां की हत्या

अनूपपुर, नवभारत। जिले के भालूमाडा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बरबसपुर में हुई अंधी हत्या का पुलिस ने खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। हैरानी की बात यह रही कि हत्या का आरोपी मृतका का ही बेटा निकला।

जानकारी के अनुसार 18 मार्च को पुलिस को सूचना मिली कि ग्राम बरबसपुर स्थित डुग्गी तालाब के पास एक खेत में महिला का शव पड़ा हुआ है। सूचना पर थाना प्रभारी भालूमाडा उप निरीक्षक डीएस बागरी अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। जांच के दौरान शव की पहचान नंसी बाई यादव 50 वर्ष निवासी बरबसपुर के रूप में की गई। मृतका के पुत्र की सूचना पर मर्ग कायम कर शव का पंचनामा किया गया और पोस्टमार्टम कराया गया। पीएम रिपोर्ट में महिला की मृत्यु गला दबाने से होना पाया गया।

जमीन के बंटवारें को लेकर होता रहा विवाद

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में विशेष टीम गठित कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर मृतका के बड़े पुत्र हरिश्चन्द्र उर्फ बियानू यादव 27 वर्ष को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसकी मां के साथ शराब पीने और जमीन के बंटवारे को लेकर विवाद होता था। इसी विवाद के चलते उसने 16 मार्च की रात अपनी मां की साड़ी से गला दबाकर हत्या कर दी और शव को घर से करीब 800 मीटर दूर खेत में फेंक दिया।

अनियंत्रित होकर पलटी एम्बुलेंस, बड़ा हादसा टला

112 की सक्रियता से बची ड्राइवर की जान

कोतमा नवभारत 21 मार्च। कोतमा नगरपालिका क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले लहसुई गांव से रपटा मार्ग पर शनिवार शाम एक बड़ा सड़क हादसा टल गया। शाम लगभग 5:00 बजे एक एम्बुलेंस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई। गनीमत यह रही कि हादसे के वक्त एम्बुलेंस में कोई मरीज सवार नहीं था, जिससे एक बड़ी जनहानि होने से बच गई।

मिली जानकारी के अनुसार, एम्बुलेंस क्रमांक एमपी 65 जेडसी 5593 का चालक दयाराम केवट वाहन लेकर जा रहा था, तभी लहसुई मार्ग पर स्थित एक अंधे मोड़ पर वाहन अनियंत्रित हो गया और पलट गया। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि इस मार्ग पर पहले भी

कई वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो चुके हैं। स्थानीय लोगों के मुताबिक, यह एक अंधा मोड़ है, जहां यदि वाहन की गति पर नियंत्रण नहीं रखा जाए, तो पलटने की संभावना हमेशा बनी रहती है।

स्थानीय लोगों की मांग- सुरक्षा के पुख्ता हो इंतजाम

इस घटना ने एक बार फिर लहसुई-रपटा मार्ग की सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि प्रशासन को इस अंधे मोड़ पर सावधानी सूचक बोर्ड और स्पीड ब्रेकर जैसे इंतजाम करने चाहिए, ताकि भविष्य में होने वाली दुर्घटनाओं को रोका जा सके।

डायल 112 की तत्परता की सराहना

हादसे के तुरंत बाद मौके पर मौजूद लोगों ने डायल 112 को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस की 112 टीम बिना समय गंवाए तत्काल मौके पर पहुंची। घायल ड्राइवर दयाराम को आनन-फानन में मलबे से सुरक्षित निकालकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोतमा पहुंचाया गया, जहां फिलहाल उसका उपचार जारी है। पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई और सक्रियता की नगरवासियों द्वारा जमकर सराहना की जा रही है।

विवाद | अमरकंटक विश्वविद्यालय में बढ़ा विवाद, सहायक प्राध्यापक के साथ अभद्र व्यवहार पर एबीवीपी ने सौंपा ज्ञापन, कार्रवाई की मांग

निष्कासन, नियुक्तियां और हमले के आरोपों से गरमाया माहौल

अनूपपुर, नवभारत 21 मार्च। अमरकंटक स्थित इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय में बीते कुछ दिनों के घटनाक्रम के बाद विवाद लगातार गहराता जा रहा है। प्रशासनिक फेरबदल, छात्र निष्कासन, नियुक्तियों पर उठे सवाल और एक सहायक प्राध्यापक पर कथित हमले की घटना ने विश्वविद्यालय के माहौल को तनावपूर्ण बना दिया है।

जानकारी के अनुसार हाल ही में प्रो. शिवकुमार मिश्र को चीफ वार्डन तथा प्रो. शैलेंद्र भदौरिया को चीफ प्रॉक्टर पद से हटाया गया। इसके बाद वार्डन और प्रॉक्टर बोर्ड में नई नियुक्तियों को लेकर छात्र संगठनों ने पक्षपात के आरोप लगाए हैं। छात्रों का कहना है कि नियुक्तियों में पारदर्शिता नहीं बरती गई।

कुछ शोधार्थियों को हॉस्टल खाली करने के दिये निर्देश

इसी बीच कुछ शोधार्थियों को हॉस्टल खाली करने के निर्देश दिए गए, जिसके विरोध में पीएचडी छात्रों ने ट्रांजिट बिल्डिंग के सामने

धरना शुरू कर दिया। प्रदर्शन कर रहे छात्रों का आरोप है कि उन्हें प्रताड़ित किया गया और दबाव बनाकर विश्वविद्यालय छोड़ने के लिए मजबूर किया जा रहा है। दूसरी ओर विश्वविद्यालय प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए कुछ छात्रों को निष्कासित कर दिया है और उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है।

पूरे मामले ने लिया राजनीतिक रंग

विवाद को और हवा तब मिली जब कुछ छात्र संगठनों ने आरोप लगाया कि कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी और उससे जुड़े स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के समर्थक शिक्षकों का विश्वविद्यालय में प्रभाव बढ़ रहा है। हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। इस पूरे मामले ने राजनीतिक रंग भी ले लिया है। भारतीय जनता पार्टी से जुड़े कार्यकर्ताओं सहित अन्य संगठनों ने नाराजगी जताई है और राष्ट्रपति तथा केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय को ज्ञापन सौंपने की तैयारी की जा रही है।

सहायक प्राध्यापक पर किया गया हमला

इसी बीच एक और गंभीर मामला सामने आया है, जिसमें विश्वविद्यालय के सहायक प्राध्यापक चार्ल्स वर्गीज के साथ कथित रूप से हमला और अभद्र व्यवहार किया गया। इस घटना के विरोध में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की विश्वविद्यालय इकाई ने कुलसचिव को ज्ञापन सौंपकर दोषी छात्रों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

मानसिक रुप से अस्वस्थ महिला को परिवार से मिलाया

अनूपपुर, नवभारत 21 मार्च। कोतवाली पुलिस ने मानवता और तत्परता का परिचय देते हुए छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले से लापता एक 30 वर्षीय मानसिक रूप से अस्वस्थ महिला को उसके परिवार से मिलाया। पूरी कानूनी प्रक्रिया के बाद महिला को उसके भाई और मां के सुपुर्द कर दिया गया। जानकारी के अनुसार गुरुवार 19 मार्च की रात लगभग 11 बजे डायल 112 पर सूचना मिली कि जैतहरी रोड स्थित हर्री फाटक के पास एक महिला लावारिस हालत में घूम रही है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और महिला को सुरक्षित कोतवाली लेकर आई। महिला की मानसिक स्थिति ठीक न होने के कारण वह अपना नाम-पता बताने में असमर्थ थी। कोतवाली के महिला डेस्क पर उपनिरीक्षक सरिता लकड़ा ने महिला की देखभाल की। पहचान के लिए पुलिस ने महिला की तस्वीर सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म और समूहों में साझा की।